



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 124] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 17, 1992/माघ 28, 1913  
No. 124] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 17, 1992/MAGHA 28, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1992

का.आ. 138 (अ).—भारत सरकार ने एक विशेषज्ञ समिति यह प्रन्वेषण  
करने की दृष्टि से गठित की थी कि क्या भारत में कतिपय कीटनाशियों के निरंतर  
उपयोग से मनुष्यों या जीवजंतुओं को ऐसी जोखिम होने वाली है, जिसे तुरन्त

कार्रवाई करना समीचीन या आवश्यक है। और कीटनाशी अधिनियम, 1968 (1968 का 46) के अधीन गठित उक्त विशेष समिति की सिफारिशों पर विचार करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि एल्ड्रिन, क्लोर्डेन और हैप्टाक्लोर के उपयोग से मनुष्यों और जीवजन्तुओं के लिए स्वास्थ्य परिसंकट उत्पन्न होने की संभावना है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, कीटनाशी अधिनियम 1968 (1968 का 46) की धारा 27 की उपधारा (2) द्वारा उक्त अधिनियमों का प्रयोग करना हटाने, निम्नलिखित आदेश पारित करती है, अर्थात् —

- (1) एल्ड्रिन का उपयोग भारत में अत्यंत सीमित रूप से किया जाता है और उक्त अधिनियम के अधीन जारी किया गया रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र 31 दिसम्बर, 1993 में रद्द हो जाएगा ;
- (2) क्लोर्डेन का उपयोग भारत में प्रतिषेध किया जाता है और उक्त अधिनियम के अधीन जारी किया गया रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र तुरन्त रद्द हो जाएगा ;
- (3) हैप्टाक्लोर का उपयोग भारत में प्रतिषेध किया जाता है और उक्त अधिनियम के अधीन जारी किया गया रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र तुरन्त रद्द हो जाएगा ,

[स. 17-95/88-पी.पी. आई]

कंवर राजेन्द्र सिंह, उप सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

### ORDER

New Delhi, the 17th February, 1992

S.O. 138(E).—Whereas the Government of India had set up an Expert Committee with a view to investigate as to whether the continued use of certain Insecticides in India will involve such risk to human beings or animals as to render it expedient or necessary to take immediate action.

And whereas the Central Government after considering the recommendation of the said Expert Committee set up under the Insecticide Act, 1968 (46 of 1968) is satisfied that the use of Aldrin, Chlordane and Heptachlor are likely to involve health hazards to human beings and animals

Now, therefore in exercise of the power conferred by sub-section (2) of section 27 of the Insecticides Act, 1968 (46 of 1968), the Central Government hereby passes the following Orders, namely :—

- (i) The use of Aldrin is phased out in India and the registration certificate issued under the said Act shall stand cancelled with effect from the thirty first December, 1993;
- (ii) the use of Chlordane is prohibited in India and the registration certificate issued under the said Act shall stand cancelled with immediate effect;
- (iii) the use of Heptachlor is prohibited in India and the registration certificate stand cancelled with immediate effect.

[No. 17-95/88-PPI]

KANWAR RAJINDER SINGH, Dy. Secy.

